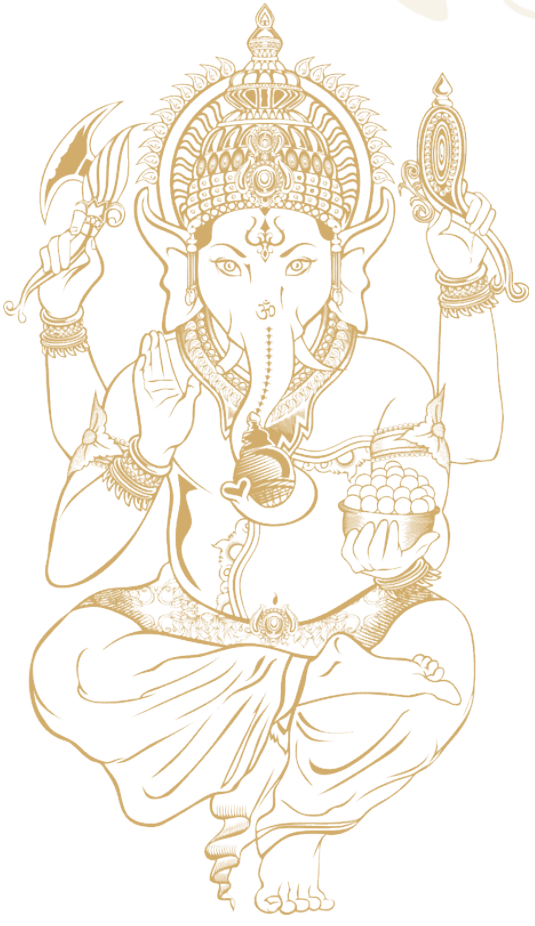

Chi.bhaiva

29 Nov 2012

04:45 AM

Lashkar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121136603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/11/2012**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	54:57:24 घटी
स्थान	**Lashkar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:27:32 घंटे
वेलान्तर	00:11:58 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:32 घंटे
सूर्योदय	06:46:02 घंटे
सूर्यास्त	17:25:04 घंटे
दिनमान	10:39:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:05:53 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:01:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:01:06	314:06:08	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	13:05:53	01:00:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	16:54:40	11:47:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	14:58:39	00:45:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	24:28:48	00:20:18	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	17:48:56	00:08:08	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	14:31:00	01:14:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	12:21:20	00:06:35	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृश्चि	02:03:46	00:00:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	02:03:46	00:00:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		मीन	10:39:47	00:00:44	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
नेप			कुंभ	06:24:26	00:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	14:09:10	00:01:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	18:37:52	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:28

लग्न-चलित

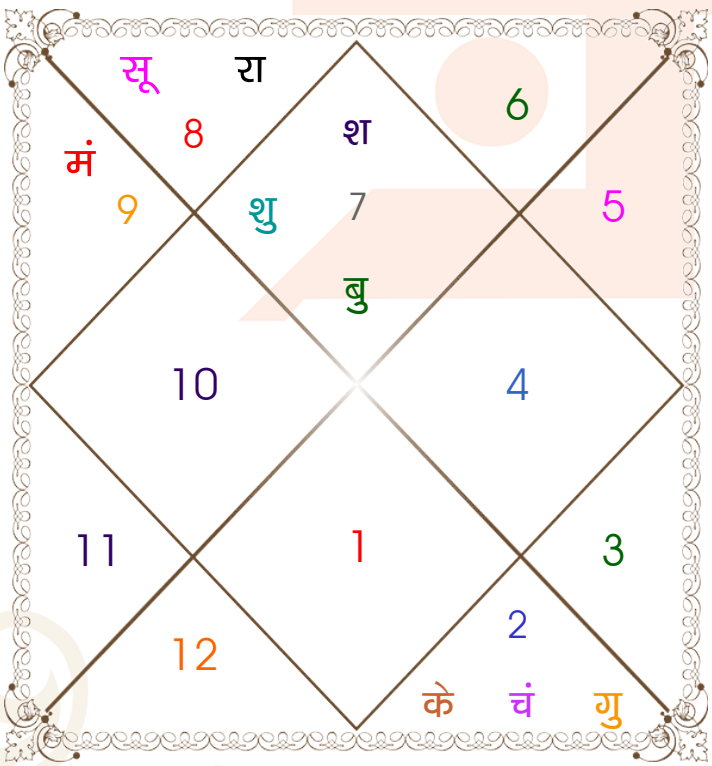

चन्द्र कुंडली

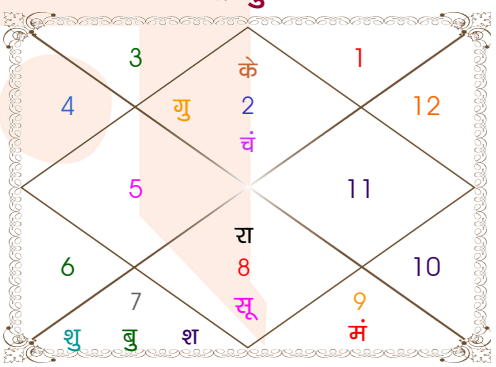

नवमांश कुंडली

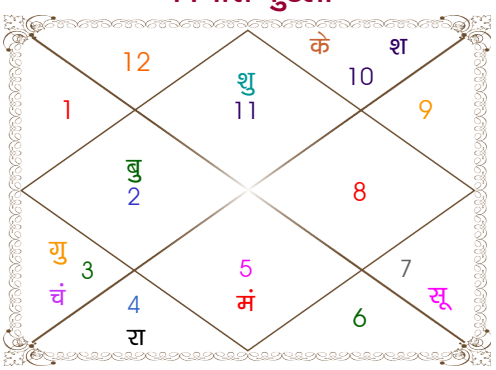

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/11/2012		23/09/2017		23/09/2024		23/09/2042		23/09/2058	
23/09/2017		23/09/2024		23/09/2042		23/09/2058		23/09/2077	
	00/00/0000	मंगल	19/02/2018	राहु	06/06/2027	गुरु	10/11/2044	शनि	26/09/2061
	00/00/0000	राहु	10/03/2019	गुरु	30/10/2029	शनि	25/05/2047	बुध	05/06/2064
	00/00/0000	गुरु	14/02/2020	शनि	04/09/2032	बुध	30/08/2049	केतु	15/07/2065
	29/11/2012	शनि	24/03/2021	बुध	25/03/2035	केतु	06/08/2050	शुक्र	14/09/2068
शनि	24/07/2013	बुध	22/03/2022	केतु	11/04/2036	शुक्र	06/04/2053	सूर्य	27/08/2069
बुध	24/12/2014	केतु	18/08/2022	शुक्र	12/04/2039	सूर्य	23/01/2054	चंद्र	28/03/2071
केतु	25/07/2015	शुक्र	18/10/2023	सूर्य	06/03/2040	चंद्र	25/05/2055	मंगल	06/05/2072
शुक्र	24/03/2017	सूर्य	23/02/2024	चंद्र	05/09/2041	मंगल	30/04/2056	राहु	13/03/2075
सूर्य	23/09/2017	चंद्र	23/09/2024	मंगल	23/09/2042	राहु	23/09/2058	गुरु	23/09/2077

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/09/2077		23/09/2094		24/09/2101		24/09/2121		24/09/2127	
23/09/2094		24/09/2101		24/09/2121		24/09/2127		00/00/0000	
बुध	20/02/2080	केतु	19/02/2095	शुक्र	23/01/2105	सूर्य	12/01/2122	चंद्र	25/07/2128
केतु	16/02/2081	शुक्र	21/04/2096	सूर्य	24/01/2106	चंद्र	13/07/2122	मंगल	23/02/2129
शुक्र	18/12/2083	सूर्य	26/08/2096	चंद्र	24/09/2107	मंगल	18/11/2122	राहु	25/08/2130
सूर्य	23/10/2084	चंद्र	27/03/2097	मंगल	24/11/2108	राहु	13/10/2123	गुरु	25/12/2131
चंद्र	25/03/2086	मंगल	24/08/2097	राहु	24/11/2111	गुरु	31/07/2124	शनि	30/11/2132
मंगल	22/03/2087	राहु	11/09/2098	गुरु	25/07/2114	शनि	13/07/2125		00/00/0000
राहु	08/10/2089	गुरु	18/08/2099	शनि	24/09/2117	बुध	19/05/2126		00/00/0000
गुरु	14/01/2092	शनि	27/09/2100	बुध	25/07/2120	केतु	24/09/2126		00/00/0000
शनि	23/09/2094	बुध	24/09/2101	केतु	24/09/2121	शुक्र	24/09/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।